ज्योतिष शास्त्र

|| हिंदी भाषा का विश्वस्तरीय ऑनलाइन ज्योतिष पोर्टल ||

विश्व प्रसिद्ध एस्ट्रोलॉजर द्वारा प्रदत्त **ज्योतिष** परामर्श

Website : https://JyotishShastra.com
Email : care@jyotishshastra.com
Horoscope Web Link : https://JyotishShastra.com/horoscope

हॉरोस्कोप फॉर्म विवरण :-

NAME :	Amit Patel	GENDER :	Male
DATE OF BIRTH :	01 / 11 / 1978	TIME OF BIRTH :	11:33:00 AM
CITY :	Birsinghpur	STATE :	Madhya Pradesh
COUNTRY :	India	LANGUAGE :	Hindi
PROCEDURE :	Vedic Parashar	SERVICE NAME :	Career Analysis Horoscope Report
QUESTION(S) :	राजनीति में प्रवेश कब तक होगा और इटेबिटी कब तक होगी?		
Mobile No. : 9893317178		Email ID : mitpatel28@yahoo.com	
ORDER ID : #1055	PAYMENT ID : 244449405	AMOUNT : ₹395	
Order Date : 30/04/2019		Delivery Date : 04/05/2019	

लग्न, राशि एवं ईष्ट :-

लग्न :	धनु
चंद्र राशि :	तुला
ईष्ट देव :	हनुमानजी

ॐ श्री गणेशाय नमः

कुंडली फलादेश :

श्रीमान अमित पटेल जी, आप एक सेवाशील व श्रमवान व्यक्ति हैं | आपने अपने जीवन काल में बहुत स्ट्रगल की हैं | आपकी सेहत अक्सर बनती बिगड़ती रहती है | सेहत का ध्यान रखें इस कारण धन हानि के योग आपकी कुंडली में स्थित हैं | पैसा आप खूब बनाते हो व बनाओगे किन्तु साथ साथ अनावश्यक कार्यों में खर्च भी होता रहता है | धन सम्बंधित उतार - चढ़ाव आजीवन बने रहेंगे | घर - परिवार व बाहर आपकी दूसरों से अनबन रहे ऐसे योग आपकी कुंडली में स्थित हैं | आप जिस काम अथवा बात को एक बार पकड़ लें उसके पीछे ही पड़ जाते हैं अथवा उसको पूरा कर ही दम लेते हैं |

आपको अपने कार्य सम्पादित करने के तौर तरीकों पर ध्यान देने की अत्यधिक आवश्यकता है | वर्तमान में शनि वक्री स्थिति में है इस कारण थोड़ा सा भी गलत रास्ता अपनाने पर अथवा कार्य में तिकड़मबाजी करने पर शनि आपको तुरंत हानि देंगे किन्तु लोगों की मन से सेवा करने से, सहायता करने से, मीठी वाणी बोलने से लाभ भी तुरंत देंगे | अपनी वाणी पर कण्ट्रोल आपको आजीवन करना होगा अन्यथा वाणी दोष से आपको धन व मान की हानि होगी, बनते काम बिगड़ जायेंगे, पारिवारिक कलह निरंतर बनी रहेगी, आप ऐसा अपने जीवन में अनुभव भी कर रहे होंगे | किसी को भी अपशब्द न बोलें | क्रोध आने पर शांत रहें व उस समय कुछ न बोलें | यदि आपको जीवन में उन्नति करनी है व सुखी जीवन यापन करना चाहते हैं तो मीठी वाणी को अपने जीवन का अभिन्न अंग बना लें | ऐसा करते ही आपका जीवन व व्यक्तित्व दोनों बदलने लगेंगे | वर्तमान में कुंडली अनुसार आपकी सामाजिक स्थिति यह है की आपके सम्मुख लोग आपकी जी हजूरी करते होंगे, आपको नमस्कार ठोकते होंगे किन्तु पीठ पीछे आपकी बुराई करते होंगे व आपके सम्बन्ध में अपशब्द बोलते होंगे | वाणी ठीक करते ही यह स्थिति विपरीत होनी प्रारम्भ हो जाएगी व आपकी लोकप्रियता भी बढ़ने लगेगी व लोग आपको दिल से मान - सम्मान देने लगेंगे |

राजनीति आप कर सकते हैं और कुंडली में ग्रह स्थिति बता रही है की आप वर्तमान में भी इसमें रुचिकर व सहभागी होंगे किन्तु अभी राजनीति में स्ट्रगल हैं | राजनीति के लिए तीन ग्रह (सूर्य, शनि एवं बुध) का कुंडली में बलवान अथवा अच्छी स्थिति में होना आवश्यक है | इसके लिए आपकी कुंडली में सूर्य को बल प्रदान करा होगा | बुध ग्रह को कुछ बलहीन करना होगा जिससे की वाणी दोष न बने | शनि आपकी कुंडली में भाग्य भाव में स्थित है व धन भाव व पराक्रम भाव का स्वामी होकर कुलमिलाकर अच्छी व पूर्ण फल प्रदान करने की स्थिति में है व आय भाव को भी अपनी तीसरी दृष्टि से देख रहे हैं |

पूर्ण रूप से राजनीति में सक्रियता व प्रवेश आपकी 44 वर्ष की आयु में ही होगा | आपका सही मायनो में इस्टैब्लिशमेंट भी आपकी आयु के 44 वें वर्ष के पश्चात ही होगा | अभी वर्तमान में शनि गोचर में वक्री हैं जो 30 अप्रैल, 2019 से आगामी 142 दिवसों तक वक्री रहेंगे | शनि की वक्री स्थिति शुभ होने पर अधिक शुभ फल व अशुभ होने पर अधिक अशुभ फल प्रदान करती है | चूँकि आपकी कुंडली में शनि शुभ स्थिति में हैं

अतः इस समय आपके द्वारा किये गए सभी प्रयास आपको किये गए प्रयासों से अधिक फल प्रदान करेंगे | अतः आगामी 142 दिनों में आप जी जान से अपने कार्यक्षेत्र में पूरी लगन, मेहनत व ईमानदारी से जुट जाएँ|

इस समय किये गए सभी कार्य व प्रयास आपके आगामी जीवन के लिए मील का पत्थर सिद्ध होंगे | फिर चाहे आपका कार्य क्षेत्र राजनीति अथवा आपका व्यापार ही क्यों न हो | शनि की वक्री स्थिति आपके लिए एक सुअवसर लेकर आई हैं जो समय से पूर्व ही आपको एक प्लेटफॉर्म प्रदान करसकने में पूर्ण सिद्ध होगी किन्तु इसके लिए आपको कठोर प्रयास करने होंगे क्यूंकि आपको जीवन में प्राप्त तो बहुत कुछ होगा किन्तु कड़ी मेहनत के पश्चात | इस समय किये गए प्रयास आपको उस स्थिति में ले जायेंगे जिसकी आपने कल्पना भी नहीं की होगी | नीलम धारण करें | अधिक धन की हानि होने की स्थिति में किसी गरीब व्यक्ति अथवा बुजुर्ग को काला छाता भेंट स्वरुप दें | अपने अधीनस्थ व्यक्तियों की सहायता करें व उनसे कुशल व्यवहार रखें | उनसे गलती होने पर अविलम्भ बिना मांगे भी उन्हें क्षमा प्रदान करें | किसी को सताएं नहीं |

सूर्यदेव जो नेतृत्व क्षमता प्रदान करते हैं, को बल प्रदान करने के लिए प्रातः सूर्य आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें व अर्घ दें | गाय - गुरु - मंदिर की सेवा करें | बुजुर्गों की सेवा व सहायता करें |

बुध ग्रह संचार, कम्युनिकेशन, वाणी के कारक हैं | आपकी कुंडली अनुसार बुध ग्रह को शांत कर उन्हें सामान्य फल प्रदान करने वाली स्थिति में लाना अति आवश्यक हैं क्यूंकि ऐसा न करने से आप राजनीति में दूसरों से सही प्रकार कम्युनिकेशन स्थापित नहीं कर पाएंगे | अपनी बात दूसरों तक सही प्रकार से सही शब्दों के द्वारा नहीं पहुंचा पाएंगे, जो एक राजनीतिज्ञ के लिए अत्यंत आवश्यक होती हैं | अतः वाणी को शीतलता प्रदान करने के लिए आप बुध ग्रह से सम्बंधित वस्तुओं का दान करें | बुधवार को गाय को हरा चारा खिलाएं | आठ वर्ष से छोटी कन्या को हरे रंग के वस्त्र, करि चूड़ियां आदि उपहार स्वरुप दें |

राजनीति से अलग यदि आप का व्यवसाय क्षेत्र देखें तो शनि से सम्बंधित कार्य क्षेत्र आपके लिए अधिक शुभकारी व लाभकारी सिद्ध होंगे | आप ट्रेडिंग, कंस्ट्रक्शन, खनन, बिल्डिंग मटेरियल, कांट्रेक्टर, आर्किटेक्ट के क्षेत्र में अपना करियर चुने तो आप अधिक लाभ व सफलता की स्थिति में रहेंगे | आपकी रूचि अध्यात्म में बढ़ेगी व आप अध्यात्म की ओर भी पूर्ण रूप से रुख भी कर सकते हैं | यदि आप एस्ट्रोलॉजी की ओर रुझान करेंगे तो आप एक अच्छे एस्ट्रोलॉजर सिद्ध होंगे |

विशेष उपाय :-

♦ प्रातः सूर्योदय से पूर्व स्नान आदि से निवृत होकर सूर्य उदय होने से पूर्व, पूर्वमुखी होकर लाल रंग के आसान पर घर की छत्त अथवा खुले स्थान पर बैठ कर सूर्य आदित्य स्तोत्र का पाठ आरम्भ इस प्रकार करें कि सूर्योदय से पूर्व प्रारम्भ होकर सूर्योदय के पश्चात समाप्त हो | तत्पश्चात लोटे (ताम्बे) के जल में हल्दी व शक्कर डालकर सूर्य को अर्घ दें |

♦ गाय - गुरु - मंदिर की सेवा करें |

♦ गाय को यदा कदा गुड़-चना खिलाते रहे |

♦ गुरु की सेवा करें | बड़े बुजुर्गों की सेवा करें | ईश्वर / ईष्ट देव (हनुमान जी) में ध्यान लगाएं |

♦ मंदिर की साफ़ सफाई में सहायता करें | बृहस्पतिवार को तो अवश्य ही इस कार्य को करें |

♦ सोमवार व शुक्रवार को शिवलिंग पर दूध अथवा दही से अभिषेक करें | इससे आपकी यात्राएं मंगलमय व सफल सिद्ध होंगी |

♦ तन पर सोना अधिक से अधिक धारण करें अथवा सर ढक कर रखें |

♦ घर में कुत्ता पालें व प्यार से उसकी सेवा करें | कुत्ता पाल न सकने की स्थिति में बाहरी कुत्ते की सेवा करें | कभी किसी कुत्ते को मारें अथवा दुत्कारें नहीं |

♦ बुधवार को गाय को हरा चारा खिलाएं |

♦ बुधवार के दिन आठ वर्ष से छोटी कन्या को हरे रंग के वस्त्र, हरे रंग की चूड़ियां आदि उपहार स्वरुप माह में एक बार तो दें ही अथवा क्षमता अनुसार दें |

♦ बुधवार को हिजड़ों को हरी साड़ी अथवा वस्त्र उपहार स्वरुप भेंट में दें व उनसे आशीर्वाद लें | माह में एक बार तो दें ही अथवा क्षमता अनुसार दें |

♦ धन की अधिक हानि होने की स्थिति में किसी गरीब व्यक्ति अथवा बुजुर्ग को काला छाता भेंट स्वरुप दें | ध्यान रहे ऐसा केवल तब करें जब धन की हानि अधिक हो रही हो अन्यथा न करें |

♦ अपने अधीनस्थ व्यक्तियों की सहायता करें व उनसे कुशल व्यवहार रखें | उनसे गलती होने पर अविलम्भ बिना मांगे भी उन्हें क्षमा प्रदान करें | किसी को सताएं नहीं |

♦ कनिष्ठा अंगुली का नाखून बढ़ाएं जिससे कि कनिष्ठा, अनामिका के ऊपरी वाले पोर के मध्य तक पहुँच जाए | इसे मध्य से उप्पर न जाने दें |

♦ भाषा का उचित प्रयोग करें किसी को अपशब्द न बोलें |

♦ केसर का पतला व लम्बा तिलक सदैव लगाएं जो नाक से प्रारम्भ होकर माथे के उप्पर तक जाए | ऐसा करने से आपने अभी तक जो जीवन में स्ट्रगल व मेहनत की हैं व कर रहे हैं उसके मीठे फल आने वाले समय में आपको प्राप्त होना प्रारम्भ हो जायेंगे |

रत्न निर्धारण :-

आपके प्रश्न अनुसार आपकी मनोकामना पूर्ण करने के लिए आपको पन्ना, हीरा एवं नीलम धारण करने का परामर्श किया जाता है |

पन्ना रत्न धारण विधि :-

बुध ग्रह का प्रतिनिधि रत्न पन्ना अथवा एमराल्ड को धारण करने के लिए सर्वप्रथम प्रश्न उपजता है कि कितने भार अथवा रत्ती का पन्ना धारण किया जाना उपयुक्त रहेगा ? इसके लिए सर्वप्रथम अपना वजन ज्ञात कर लें | अपने वजन के दसवें भाग के भार बराबर रत्ती का शुद्ध एवं ओरिजिनल पन्ना स्वर्ण अथवा चाँदी की अंगूठी में जड़वाएं | मान लीजिये आपका वजन 70 किलो ग्राम है तब आपको सवा सात रत्ती का पन्ना रत्न धारण करना उपयुक्त रहेगा |

किसी भी शुक्ल पक्ष के बुधवार को सूर्य उदय होने के पश्चात् इसकी प्राण प्रतिष्ठा करें | अंगूठी के शुद्धिकरण एवं प्राण प्रतिष्ठा करने हेतु सबसे पहले अंगूठी को पंचामृत अर्थात दूध, गंगाजल, शहद, घी और शक्कर के घोल में डाल दें, फिर पांच अगरबत्ती बुध देव के नाम जलाए और प्रार्थना करे कि हे बुध देव मै आपका आशीर्वाद (अथवा जो भी मनोकामना हो बोलें) प्राप्त करने हेतु आपका प्रतिनिधि रत्न पन्ना धारण कर रहा हूँ कृपया करके मुझे अपना आशीर्वाद प्रदान करे | तत्पश्चात अंगूठी को पंचामृत से निकालकर 108 बारी अगरबत्ती के ऊपर से घुमाते हुए "ऊँ बुं बुधाय नमः" मंत्र का जाप करे तत्पश्चात अंगूठी को विष्णु जी के चरणों से स्पर्श कराकर कनिष्ठ अंगुली में धारण करें | पन्ना धारण करने के 30 दिनों में प्रभाव देना आरम्भ कर देता है | निरंतर लाभ प्राप्ति हेतु, प्रत्येक तीन वर्षों के अंतराल के पश्चात इसका उक्त विधि द्वारा शुद्धिकरण एवं प्राण प्रतिष्ठा करते रहें |

हीरा रत्न धारण विधि :-

हीरा शुक्र गृह का प्रतिनिधि रत्न है | हीरे को चाँदी अथवा प्लैटिनम की अंगूठी में जड़वाकर शुक्रवार के दिन, सूर्य उदय होने के पश्चात् इसकी प्राण प्रतिष्ठा करें | अंगूठी के शुद्धिकरण एवं प्राण प्रतिष्ठा करने हेतु सबसे पहले अंगूठी को पंचामृत अर्थात दूध, गंगाजल, शहद, घी और शक्कर के घोल में डाल दें, फिर पांच अगरबत्ती शुक्रदेव के नाम जलाये और प्रार्थना करे कि हे शुक्र देव मै आपका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आपका प्रतिनिधि रत्न, हीरा धारण कर रहा हूँ, कृपया करके मुझे आशीर्वाद प्रदान करे | तत्पश्चात अंगूठी को पंचामृत से निकाल कर "ॐ शं शुक्राय नमः" मंत्र के 108 जप करते हुए अंगूठी को अगरबत्ती के उप्पर से 108 बार घुमाए व अंगूठी को लक्ष्मीजी के चरणों से लगाकर अनामिका ऊँगली में धारण करें | हीरा अपना प्रभाव 25 दिन में देना आरम्भ कर देता है |

नीलम रत्न धारण विधि :-

नीलम अथवा ब्लू सफायर रत्न को धारण करने के लिए सर्वप्रथम प्रश्न उपजता है कि कितने भार अथवा रत्ती का नीलम रत्न धारण किया जाना उपयुक्त रहेगा ? इसके लिए सर्वप्रथम अपना वजन ज्ञात कर लें | अपने वजन के दसवें भाग के भार बराबर रत्ती का शुद्ध एवं ओरिजिनल नीलम स्वर्ण या पांच धातु की अंगूठी में जड़वाएं | किसी शुक्ल पक्ष के प्रथम शनि वार को सूर्य उदय के पश्चात अंगूठी की प्राण प्रतिष्ठा

करे | इसके लिए अंगूठी को सबसे पहले पंचामृत अर्थात गंगा जल, दूध, घी, केसर एवं शहद के घोल में 15 से 20 मिनट तक डाल के रखे, तत्पश्चात स्नान के पश्चात किसी भी मंदिर में शनि देव के नाम 5 अगरबत्ती जलाये, अब अंगूठी को घोल से निकाल कर गंगा जल से धो ले, अंगूठी को धोने के पश्चात उसे 11 बारी "ॐ शं शानिश्चार्ये नम:" मन्त्र का जाप करते हुए अगरबत्ती के उपर से घुमाये, तत्पश्चात अंगूठी को शिव के चरणों में रख दे एवं प्रार्थना करे कि "हे शनि देव में आपका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आपका प्रतिनिधि रत्न धारण कर रहा हूँ कृपा कर मुझे अपना आशीर्वाद प्रदान करे" तत्पश्चात अंगूठी को शिव जी के चरणों से स्पर्श कराएं व मध्यमा ऊँगली में धारण करे |

नोट :- रत्न अच्छी क्वालिटी का व दोषमुक्त ही धारण करना उत्तम फलदाई होता है | दोषयुक्त व नकली रत्न विपरीत प्रभाव भी दे देते हैं | रत्न समय के साथ धीरे-धीरे व एक-एक कर धारण करते रहें | तुरंत धारण आवश्यक नहीं है, क्यूंकि यह कॉस्टली होते हैं | रत्न विश्वासपात्र व्यक्ति अथवा विश्वसनीय स्थान से ही खरीदें|

ज्योतिषशास्त्र, ज्योतिष में भाग्य से अधिक कर्म को प्रधान मानता हैं एवं हमारे द्वारा प्रदत्त कुंडली विश्लेषण पूर्णतया वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित हैं | जो कुंडली में लिखा हैं वह भाग्य हैं, जो बीत गया उसे ठीक तो नहीं किया जा सकता किन्तु अच्छे कर्मो के माध्यम से हम अपने आने वाले समय को सुखमय व सरल अवश्य ही बना सकते हैं | ज्योतिष अन्धकार से भरे मार्ग पर एक पथ प्रदर्शक के रूप में कार्य करता हैं |

यह भी सत्य है कि ज्योतिष किसी जातक को उसकी सीमा से परे तो नहीं ले जा सकता परन्तु हाँ उस जातक की सीमा के भीतर आ रहे अवरोधों व बाधाओं को दूर करने का मार्ग अवश्य प्रशस्त करता है |

उपायों के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त करने अथवा असुविधा होने पर ईमेल आईडी care@jyotishshastra.com पर हमें ईमेल करें अथवा 9520039039 पर व्हाट्सऐप करें |

नोट :- साकारात्मक भावना व श्रद्धा से उक्त दिए गए उपायों को करें | उपाय बोझिल मन से कतई न करें |

भगवान श्री गणेश आप एवं आपके परिवार के सदस्यों को सुख, शान्ति, स्वास्थ्य एवं समृद्धि प्रदान करे |

गुरुदेव संदीप पुलस्त्य

ज्योतिष एवं वास्तु आचार्य

— — — — — — — — — — — —